

I. उत्पादन

वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू चक्रीय और ढांचागत कारकों के कारण 2011-12 के दौरान वृद्धि दर में काफी कमी आई जो अनुमानित 6.9 प्रतिशत रही। अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रों - कृषि, उद्योग और सेवाएं - में गिरावट आई। कृषि वृद्धि में गिरावट आने के बावजूद, वर्ष के दौरान खाद्यान्नों का उत्पादन अब तक का सबसे ऊंचा रहा। निर्माण-कार्य में धीमी गति के कारण सेवा क्षेत्र में कमी आई जबकि औद्योगिक वृद्धि में ढिलाई खनन और विनिर्माण उप-क्षेत्रों के निराशाजनक निष्पादन के कारण हुई। किंतु, कुछ संकेतक, यथा खाद्येतर ऋणों का उठाया जाना, सीमेंट उत्पादन और रिजर्व बैंक की सेवा क्षेत्र के संमिश्र संकेतक दर्शाते हैं कि वृद्धि 2011-12 की ति3 में निचले स्तर तक पहुँच गई। उत्पादन वृद्धि में 2012-13 में क्रमशः सुधार होने की आशा है, यद्यपि यह मर्यादित रहेगा।

2011 में वैश्विक वृद्धि की गति धीमी हुई, 2012 में धीमे सुधार पथ पर बने रहने की संभावना

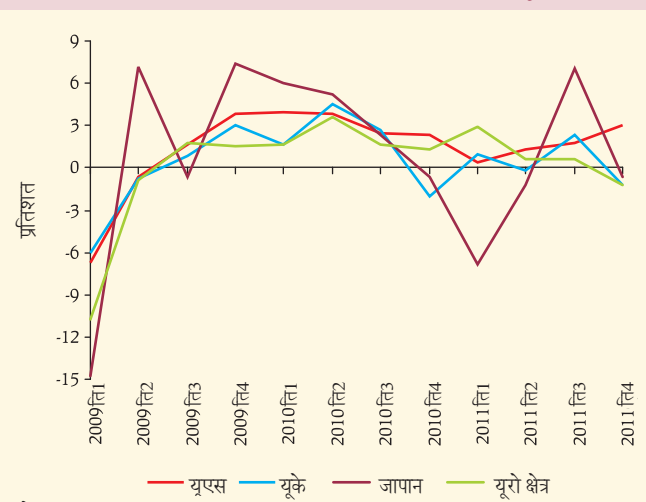
1.1 2011 में वैश्विक वृद्धि धीमी हुई लेकिन विश्व अर्थव्यवस्था धीमे सुधार पथ पर बनी रही जिससे मंदी की दुहरी-डुबकी की संभावना कम हो गई। 2012 के लिये वृद्धि की संभावनाएं अनिश्चित हैं, जहाँ यूरो क्षेत्र में वृद्धि खत्म हो जायेगी और उभरते बाजारों में उसकी हवा निकल जायेगी, जबकि यूएस में आशा से बेहतर सुधार आकार ले रहा है। आधार रेखा परिदृश्य बतलाता है कि 2012 में वैश्विक वृद्धि नीची बनी रहेगी, जबकि यूरो क्षेत्र में मंदी रहेगी क्योंकि वह क्षेत्र आवश्यक राजकोषीय समायोजन करेगा।

1.2 पिछली तिमाही में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित कुछ सकारात्मक गतिविधियां हुई हैं। 2011 की ति4 में यूएस की अर्थव्यवस्था में 3.0 प्रतिशत का विस्तार हुआ - जो 2010 की ति2 के बाद सर्वोच्च है। आपूर्ति प्रबंधन संस्थान (आईएसएम) का मार्च 2012 के लिये यूएस विनिर्माण पीएमआई अध्ययन दर्शाता है कि लगातार 32 वें महीने में विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार हुआ। यूएस सेवा क्षेत्र में भी मार्च 2012 में तेज विस्तार हुआ जबकि गैर विनिर्माण गतिविधि सूचकांक पिछले 12 महीनों के औसत से ऊंचा बना रहा। फेडरल रिजर्व की अप्रैल 2012 की बैज्ञ बुक भी दर्शाती है कि मध्य फरवरी से मार्च के अंत तक आर्थिक विस्तार की गति मर्यादित से मध्यम ही रही। सुधार के चालू दौर की संभावनाएं 2012 में उत्साहवर्धक बनी रहेंगी।

1.3 इसके विपरीत अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं यथा यूके, जपान और यूरो क्षेत्र में 2011 की ति 4 में ति-द-ति नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट 1.1)। यूरोपीय कमीशन के अंतरिम अनुमान के अनुसार 2012 में यूरो क्षेत्र एक हल्की मंदी से गुजरेगा जहाँ उत्पादन 0.3 प्रतिशत से घटेगा। यूरो क्षेत्र के संमिश्र पीएमआई से जिसमें सेवाएं और विनिर्माण शामिल हैं, जनवरी में 50.4 से फरवरी में 49.3 और मार्च में 49.1 की निरन्तर गिरावट के साथ संकुचन का संकेत मिला। जहाँ यूरो क्षेत्र में छोटे से संकुचन का प्रभाव अन्य क्षेत्रों में फैल सकता है, इसमें गिरावट को रोका जा सका है यदि यूएस में सुधार जारी रहे। यूरो क्षेत्र के बाहर, यूके एक कमजोर विस्तार पथ पर बना हुआ है लेकिन चालू निर्धारण के अनुसार वह मंदी को टाल सकता है। जापान के धीमे विस्तार पथ पर बने रहने की संभावना है जिसमें 2012 में पुनर्निर्माण निवेश और स्टॉक की पुनर्निर्मिती अग्रणी रहेंगी। हाल के पीएमआई दर्शाते हैं कि जापान में सेवाओं और विनिर्माण दोनों में विस्तार हो रहा है।

1.4 यूएस में बेरोजगारी की दर मार्च 2012 में तीन वर्षों के निचले स्तर 8.2 प्रतिशत तक गिर गई, यद्यपि नये रोजगारों में कमी आई (चार्ट 1.2)। किंतु, यूरो क्षेत्र में फरवरी 2012 में बेरोजगारी की दर ने 10.8 प्रतिशत का उच्च कीर्तिमान हासिल किया। स्पेन ने सबसे खराब प्रदर्शन किया जहाँ बेरोजगारी की दर 23.6 रही और आधे से अधिक युवा जनसंख्या बेरोजगार रही।

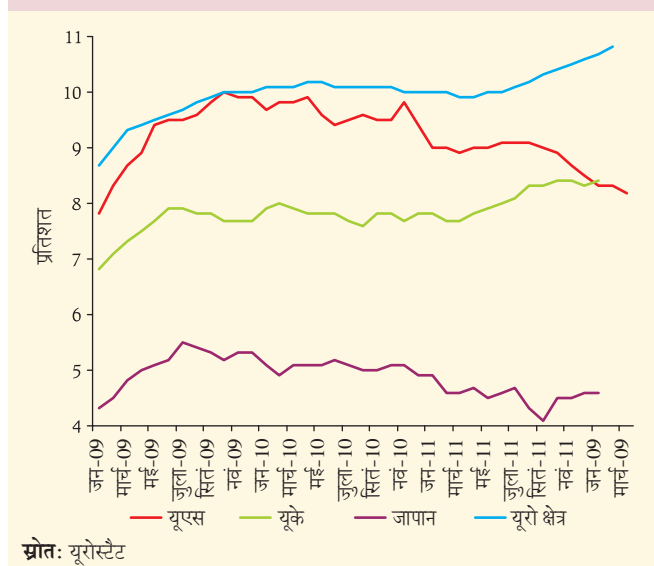
चार्ट 1.1: उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में जीडीपी वृद्धि



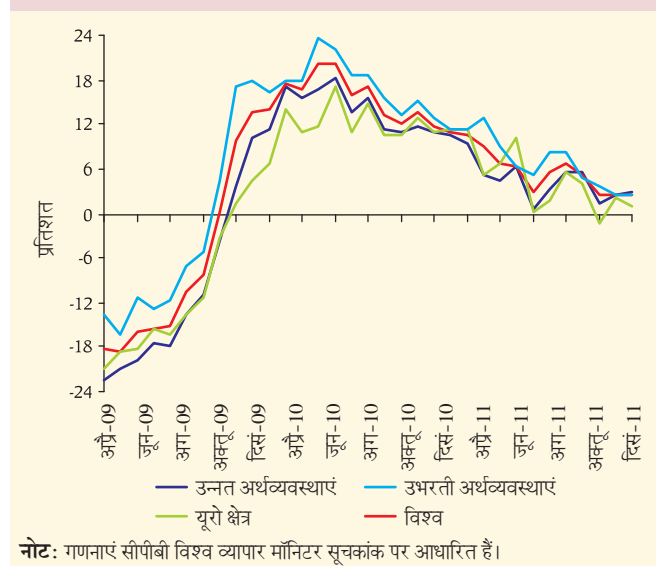
स्रोत: यूरोस्टैट।

इकाई: पिछली अवधि की तुलना में वार्षिकीकृत प्रतिशत परिवर्तन।

चार्ट 1.2 बेरोजगारी दर



चार्ट 1.3 निर्यात मात्रा में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)



उभरती हुई और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट के संकेत

1.5 धीमी पड़ती उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि के प्रति जोखिम बढ़ सकता है क्योंकि इससे उनकी बाह्य मांग कम हो जायेगी। 2011 में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि के बाद, चीन ने 2012 के लिये अपना वृद्धि अनुमान घटाकर 7.5 कर दिया है। यद्यपि वृद्धि इससे अधिक हो जाने की संभावना है, इस बात के स्पष्ट संकेत मिले हैं कि अर्थव्यवस्था धीमी पड़ रही है क्योंकि लगातार पाँच तिमाहियों से वृद्धि दर की गति घटती जा रही है। चीन की अर्थव्यवस्था लगभग तीन वर्षों में सबसे कमजोर दर से बढ़ी जब 2012 की ति1 में वर्ष-दर-वर्ष 8.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। 2012 की ति1 में यूएस का \$ 0.7 बिलियन का हल्का सा व्यापार अधिशेष रहा। भारत समेत अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में भी वृद्धि धीमी हो रही है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था 2010 की 7.5 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 2011 में 2.7 प्रतिशत बढ़ी जो कि इस वर्ष के अंत में मजबूत मौद्रिक प्रोत्साहन के बल पर हल्की सी सुधर सकती है। रूस में इस वर्ष लगभग 4 प्रतिशत की मध्यम वृद्धि बनी रहने की संभावना है जो कि राजकोषीय प्रोत्साहन, व्यापक ऋण विस्तार और उँची तेल कीमतों के कारण होगी।

1.6 आगे बढ़ते हुए, अधिकांश उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि के उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और चीन से बाह्य मांग में परिवर्तनों के कारण प्रभावित होने की

संभावना है। नये निर्यात आदेशों का वैश्विक पीएमआई, जो अपने दीर्घावधि औसत से अब भी कम है, विश्व व्यापार की गति में क्रमशः सुधार की ओर संकेत करता है (चार्ट 1.3)।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि 2011-12 की ति3 में निचले स्तर पार कर चुकी है

1.7 लगातार दो वर्षों तक 8.4 प्रतिशत की अच्छी मजबूत वृद्धि के बाद, 2011-12 में जीडीपी की गति तेजी से 6.9 प्रतिशत तक घट जाने का अनुमान है जिसमें कृषि, खनन और उत्खनन, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों में गिरावट उल्लेखनीय रहेगी। 2011-12 की ति3 से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि वृद्धि लगातार चौथी तिमाही में घट कर 6.1 प्रतिशत हो गई जो कि पिछली ग्यारह तिमाहियों में दर्ज होने वाली न्यूनतम दर है (सारणी 1.1)। जहाँ कृषि वृद्धि में गिरावट अधिकांशतः आधार प्रभाव और ढांचागत अवरोधों के कारण हुई, उद्योग में गिरावट के अनेक कारक थे जिनमें घरेलू नीतिगत अनिश्चितताएं, मौद्रिक सख्ती और बाह्य मांग के कम होने का संयुक्त प्रभाव शामिल है। जुलाई-दिसम्बर 2011 के दौरान वृद्धि दर प्रवृत्ति से कम रही (चार्ट 1.4)। गति संकेतक अधोगति को पुष्ट करता है (चार्ट 1.5)।

1.8 किंतु, चालू संकेतक बताते हैं कि 2011-12 की ति3 में वृद्धि निचला स्तर छू चुकी है। अधिकांश उद्योगों में क्षमता उपयोग की आम कमी के मद्देनजर, उत्पादन को पर्याप्त स्तर तक बढ़ाया जा सकता है। फरवरी-मार्च 2012 में अच्छा ऋण उठाया गया जो

सारणी 1.1 क्षेत्र-वार जीडीपी की वृद्धि (मूल्य 2004-05)

| मद | 2010-11* | 2011-12# | 2010-11 | | | | 2011-12 | | | 2010-11 | 2011-12 |
|---|----------|----------|---------|------|------|------|---------|------|------|---------------|---------------|
| | | | ति.1 | ति.2 | ति.3 | ति.4 | ति.1 | ति.2 | ति.3 | (अप्रैल-दिसं) | (अप्रैल-दिसं) |
| | | | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 1. कृषि और संबद्ध कार्यकलाप | 7.0 | 2.5 | 3.1 | 4.9 | 11.0 | 7.5 | 3.9 | 3.2 | 2.7 | 6.8 | 3.2 |
| 2. उद्योग | 6.8 | 3.6 | 8.2 | 5.6 | 7.2 | 5.3 | 6.6 | 2.8 | 0.8 | 7.0 | 3.3 |
| 2.1 खनन एवं उत्खनन | 5.0 | -2.2 | 6.9 | 7.3 | 6.1 | 1.7 | 1.8 | -2.9 | -3.1 | 6.7 | -1.4 |
| 2.2 विनिर्माण | 7.6 | 3.9 | 9.1 | 6.1 | 7.8 | 5.5 | 7.2 | 2.7 | 0.4 | 7.6 | 3.4 |
| 2.3 बिजली, गैस और जलापूर्ति | 3.0 | 8.3 | 2.9 | 0.3 | 3.8 | 7.8 | 7.9 | 9.8 | 9.0 | 2.3 | 8.7 |
| 3. सेवाएं | 9.2 | 8.8 | 9.8 | 8.7 | 7.8 | 8.6 | 8.9 | 8.7 | 8.7 | 8.8 | 8.8 |
| 3.1 निर्माण | 8.0 | 4.8 | 8.4 | 6.0 | 8.7 | 8.2 | 1.2 | 4.3 | 7.2 | 7.7 | 4.2 |
| 3.2 व्यापार, होटल, परिवहन, भंडारण और संचार इत्यादि | 11.1 | 11.2 | 12.7 | 10.8 | 9.8 | 9.3 | 12.7 | 9.8 | 9.2 | 11.1 | 10.6 |
| 3.3 वित्तपोषण, बीमा, स्थावर, संपदा और कारोबारी सेवाएं | 10.4 | 9.1 | 10.0 | 10.4 | 11.2 | 9.0 | 9.0 | 10.5 | 9.0 | 10.6 | 9.5 |
| 3.4 सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं | 4.5 | 5.9 | 4.4 | 4.5 | -0.8 | 7.0 | 5.6 | 6.6 | 7.9 | 2.7 | 6.7 |
| 4. कारक लागत पर जीडीपी | 8.4 | 6.9 | 8.5 | 7.6 | 8.3 | 7.8 | 7.7 | 6.9 | 6.1 | 8.1 | 6.9 |

*त्वरित अनुमान। # अग्रिम अनुमान।
स्त्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय।

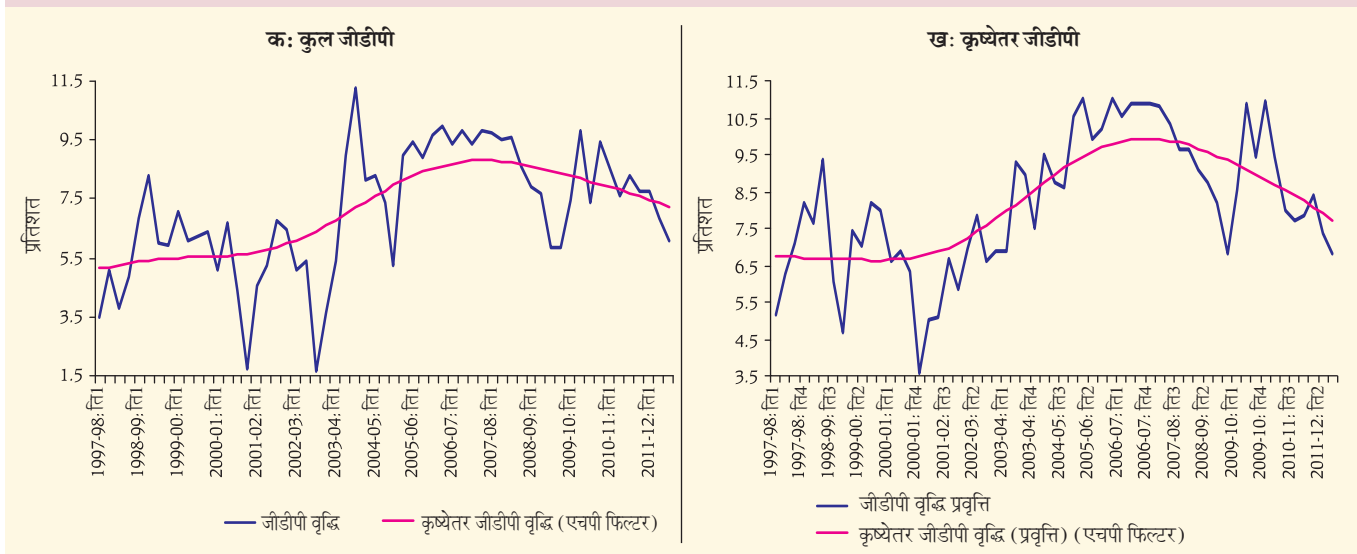
वर्ष के दौरान खाद्येतर ऋण का लगभग 40 प्रतिशत रहा। यद्यपि फरवरी और मार्च में विनिर्माण और सेवाओं दोनों के पीएमआई में अधोगति दर्ज की गई, सूचकांक ऊँचे बने रहे जो विस्तार दर्शाते हैं। 2011-12 की ति4 के लिए अंतर्निहित वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत बनती है जो मुख्यतः औद्योगिक गतिविधि में कुछ सुधार और सेवा क्षेत्र का उछाल दर्शाती है। इस संदर्भ में, जनवरी और मार्च 2012 में आरक्षित नकदी निधि अनुपात का दो चरणों में घटाए जाने और

ब्याज दर चक्र के शिखर पर पहुँचने से कुछ गति मिलनी चाहिये।

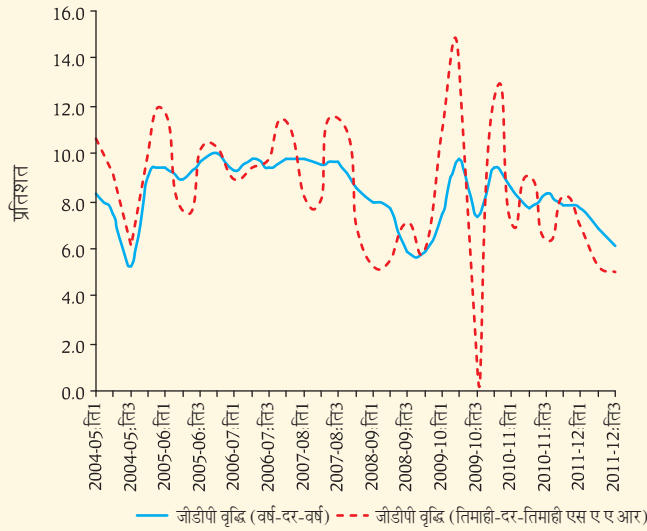
कृषि वृद्धि पर मानसून का जोखिम कम बना रहा

1.9 अक्टूबर-दिसम्बर 2011 में उत्तर-पूर्व मानसून सामान्य की अपेक्षा 48 प्रतिशत कम रहा जबकि पिछले वर्ष सामान्य से 21 प्रतिशत अधिक था। पिछले दशक में शीतकालीन मानसून में यह अत्यल्प कमी थी। किंतु, उत्तर-पूर्व मानसून की कमी का प्रतिकूल प्रभाव पूरे कृषि उत्पादन पर गहरा होने की संभावना नहीं है। जहाँ

चार्ट 1.4 जीडीपी वृद्धि



चार्ट 1.5: वृद्धि-गति का संकेतक



सारणी 1.2: कृषि उत्पादन - 2011-12

(मिलियन टन)

| फसल | 2010-11 अंतिम अनुमान | 2011-12 दूसरा अग्रिम अनुमान | 2011-12 में उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि |
|-------------------|----------------------|-----------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| खाद्यान्न | 244.8 | 250.4 | 2.3 |
| चावल | 96.0 | 102.8 | 7.1 |
| गेहूँ | 86.9 | 88.3 | 1.6 |
| मोटे अनाज | 43.7 | 42.1 | -3.7 |
| दालें | 18.2 | 17.3 | -4.9 |
| तिलहन | 32.5 | 30.5 | -6.2 |
| कपास# | 33.0 | 34.1 | 3.3 |
| जूट एवं मेस्ता ## | 10.6 | 11.6 | 9.4 |
| गन्ना (केन) | 342.4 | 347.9 | 1.6 |

प्रत्येक 170 किलोग्राम की मिलियन गांठें
प्रत्येक 180 किलोग्राम की मिलियन गांठें
स्रोत : कृषि मंत्रालय, भारत सरकार

खाद्यान्नों का उत्पादन 2011-12 में रिकॉर्ड स्तर का होने का अनुमान है, दालों और तिलहनों का उत्पादन पिछले वर्ष की अपेक्षा कम होने की संभावना है (सारणी 1.2)।

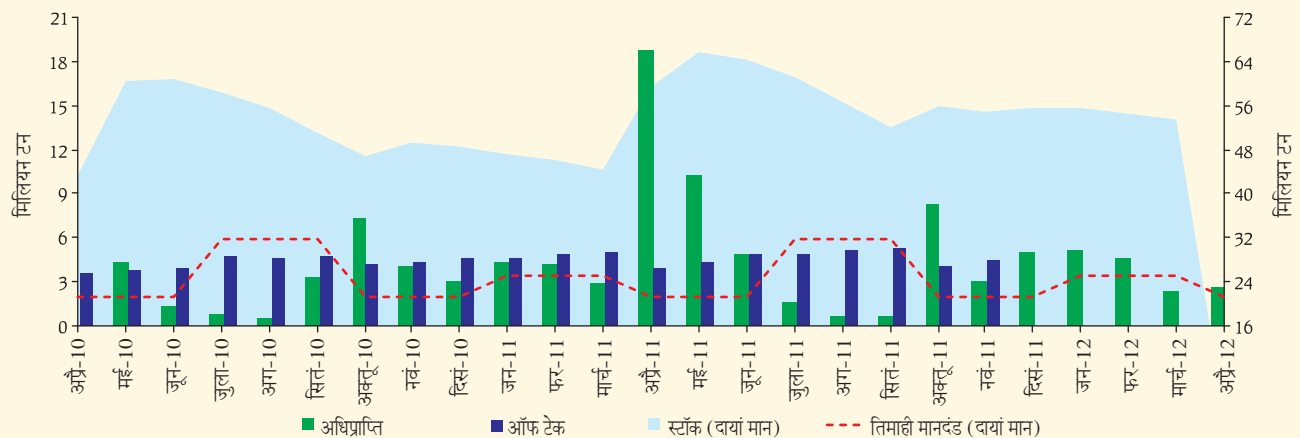
खाद्य प्रबंधन एक चुनौती बनने की संभावना

1.10 53 मिलियन टन पर खाद्यान्नों का मौजूदा स्टॉक तिमाही बफर और सुरक्षित आरक्षित आवश्यकताओं से काफी उच्चतर बना हुआ है। इस स्तर का खाद्य स्टॉक लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याणकारी/गरीबी अन्मूलन योजनाओं के

अंतर्गत आनेवाली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पर्याप्त है (चार्ट 1.6)। किंतु, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा बिल, जो फिलहाल संसद में है, खाद्य प्रबंधन पर दूरगामी प्रभार डालेगा। इसमें 75 प्रतिशत तक ग्रामीण जनता और 50 प्रतिशत तक शहरी जनता को घटी दरों पर खाद्यान्नों की कानूनी दायित्व का प्रावधान है। इसमें उचित मूल्यों पर अच्छी किस्म का अनाज पर्याप्त मात्रा में पहुँचाना सुनिश्चित किया जायेगा।

1.11 बिल के प्रभावी कार्यान्वयन से देश में और अधिक खाद्यान्न उत्पादन की आवश्यकता बढ़ जायेगी। इससे कृषि क्षेत्र में पुनः

चार्ट 1.6: खाद्य स्टॉक और इसके निर्धारक तत्त्व



नोट : 1. ऑफ टेक के आंकड़े नवम्बर 2011 तक के हैं, और स्टॉक 31 मार्च 2012 का है।
2. अधिप्राप्ति और ऑफ-टेक आंकड़े मासिक आंकड़े हैं।
3. अप्रैल 2012 के लिये अधिप्राप्ति अप्रैल 11, 2012 की है।

सारणी 1.3: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक : उद्योगों का क्षेत्रीय और उपयोग आधारित वर्गीकरण

| उद्योग समूह | आईआईपी में भारांक | वृद्धि दर | | | भारांकित अंशदान # | | |
|-------------------------------|-------------------|----------------------|---------------|------------|----------------------|--------------|------------|
| | | अप्रैल-मार्च 2010-11 | अप्रैल- फरवरी | | अप्रैल-मार्च 2010-11 | अप्रैल-फरवरी | |
| | | | 2010-11 | 2011-12 अ | | 2010-11 | 2011-12 अ |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| क्षेत्रवार | | | | | | | |
| खनन | 14.2 | 5.2 | 5.8 | -2.1 | 7.3 | 8.2 | -6.8 |
| विनिर्माण | 75.5 | 9.0 | 8.7 | 3.7 | 86.7 | 85.9 | 85.1 |
| बिजली | 10.3 | 5.5 | 5.3 | 8.7 | 5.9 | 5.9 | 21.6 |
| उपयोग-आधारित | | | | | | | |
| मूल वस्तुएं | 45.7 | 6.0 | 5.9 | 5.9 | 29.1 | 29.4 | 66.5 |
| पूंजीगत वस्तुएं | 8.8 | 14.8 | 14.7 | -1.8 | 25.2 | 25.0 | -7.3 |
| मध्यवर्ती वस्तुएं | 15.7 | 7.4 | 7.8 | -0.9 | 12.5 | 13.5 | -3.6 |
| उपभोक्ता वस्तुएं (क+ख) | 29.8 | 8.6 | 8.1 | 4.8 | 33.3 | 32.2 | 44.1 |
| क) उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं | 8.5 | 14.2 | 14.1 | 2.7 | 24.0 | 24.3 | 11.5 |
| ख) उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं | 21.3 | 4.3 | 3.5 | 6.5 | 9.4 | 7.9 | 32.6 |
| सामान्य | 100 | 8.2 | 8.1 | 3.5 | 100 | 100 | 100 |

प्रतिशत

अ: अर्न्तम। # पूर्णांकन के कारण हो सकता है कि आंकड़ों का योग 100 न हो।
स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन।

प्राण फूंकने के लिये कृषि अनुसंधान, जल-स्रोतों के विकास, अवसंरचना विशेषरूप से ऊर्जा, भंडारण और परिवहन में व्यापक निवेश की आवश्यकता होगी। इस संबंध में, 2012-13 के संघीय बजट के अनुसार निजी उद्यमी गारंटी योजना के अंतर्गत 2011-12 के दौरान तीन मिलियन टन और 2012-13 के दौरान और पाँच मिलियन टन की भंडारण क्षमता निर्मित की जानी थी। इसके अलावा, आधुनिक खत्ती के रूप में दो मिलियन टन की भंडारण क्षमता के निर्माण कार्य को अनुमोदित किया गया है। भंडारण के निर्माण से खाद्य स्टॉक का बेहतर प्रबंधन सहज बनाने के अलावा देश में निर्माण कार्यों को बल मिलेगा।

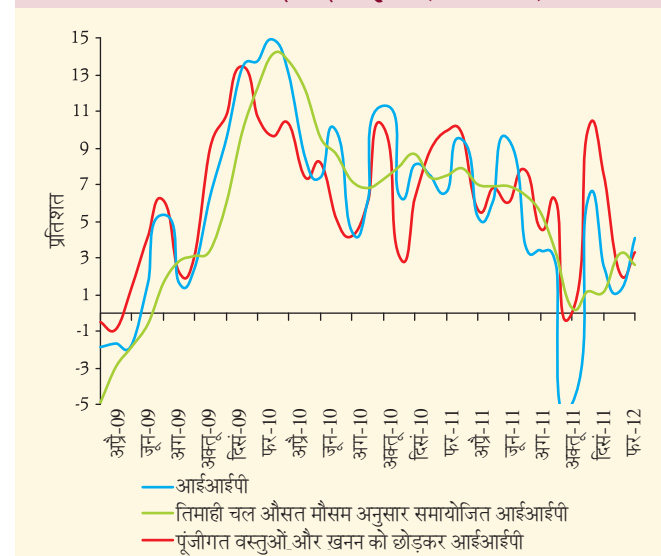
उद्योग का अस्थिरता के बीच धीमा पड़ना

I.12 2011-12 में औद्योगिक वृद्धि तेजी से धीमी पड़ गई, जो खनन में कमी आने और विनिर्माण उप-क्षेत्र के कमजोर निष्पादन के कारण हुई (सारणी 1.3 और चार्ट 1.7)। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में आई कमी ने औद्योगिक गतिविधियों की हवा निकाल दी जो ब्याज दर संवेदनशीलता, बाह्य मांग की गति मंद होने और व्यवसाय-विश्वास में कमी आने के कारण निवेश मांग में कमी आने की वजह से है।

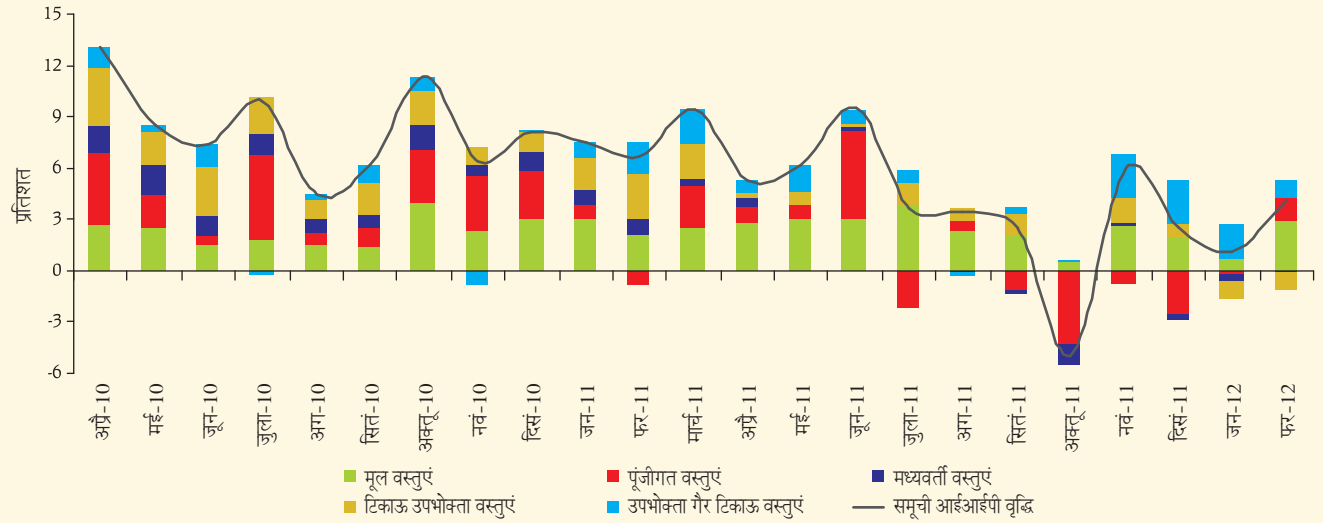
I.13 उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, मूल वस्तुओं और उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के अलावा अन्य सभी श्रेणियों में

वृद्धि में कमी दिखलाई पड़ी। निवेश भावना में मंदी पूंजीगत और मध्यवर्ती वस्तुओं के संकुचन में दिखलाई पड़ी। इसके अलावा, औद्योगिक वृद्धि में पूंजीगत वस्तुओं की वृद्धि में तेज उतार-चढ़ावों के कारण अधिक अस्थिरता दिखलाई पड़ी (चार्ट 1.8)। मानक विचलन द्वारा मापी गई अस्थिरता आईआईपी के लिये 3.3 है जिसमें पूंजीगत वस्तुएं शामिल नहीं हैं जिसकी तुलना में अप्रैल 2009 से फरवरी 2012 के दौरान समूचा आईआईपी 4.7 था।

चार्ट 1.7: आईआईपी वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)



चार्ट 1.8: समूची आईआईपी वृद्धि में अंशदान



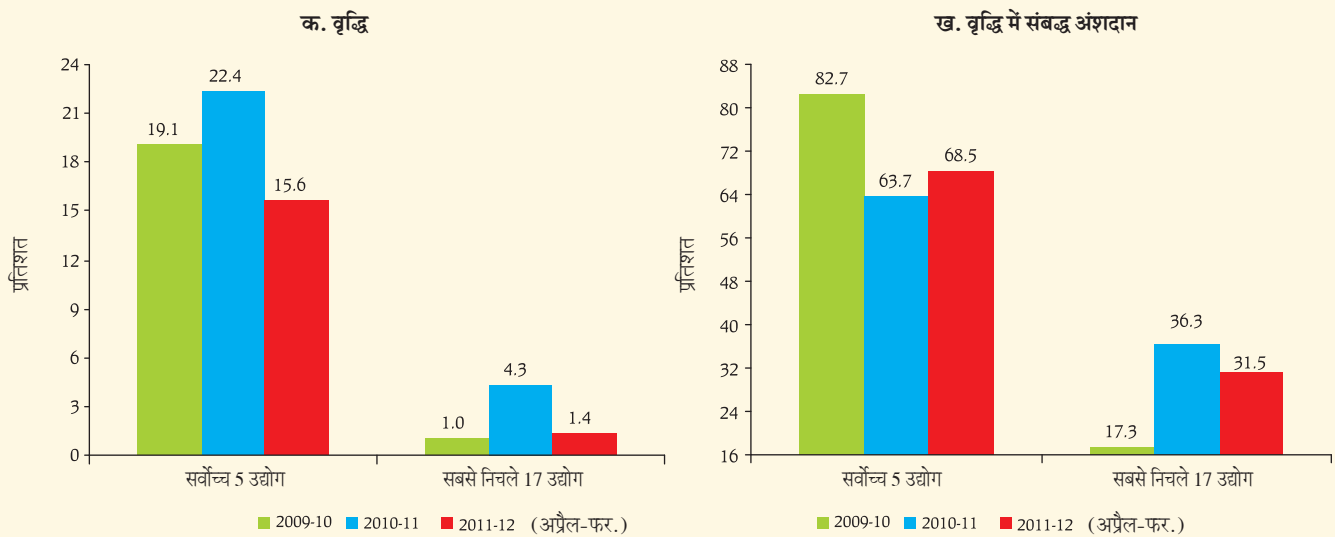
अतः वृद्धि में अस्थिरता, प्राथमिक रूप से उन कुछ वस्तुओं के कारण रही जिन्होंने समूची आईआईपी वृद्धि को असमान बनाने में सहयोग दिया।

I.14 इस कारणवश, विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि अस्थिर और अत्यंत संघनीकृत बनी रही जिसमें बाईस उद्योग समूहों में से सात ने अप्रैल-फरवरी 2011-12 के दौरान नकारात्मक वृद्धि दर्शाई। अपेक्षाकृत अधिक तेजी से बढ़ने वाले पांच विनिर्माण उद्योग, जिनका विनिर्माण में संयुक्त भारांक 18.3 प्रतिशत है, 15.6 प्रतिशत बढ़े

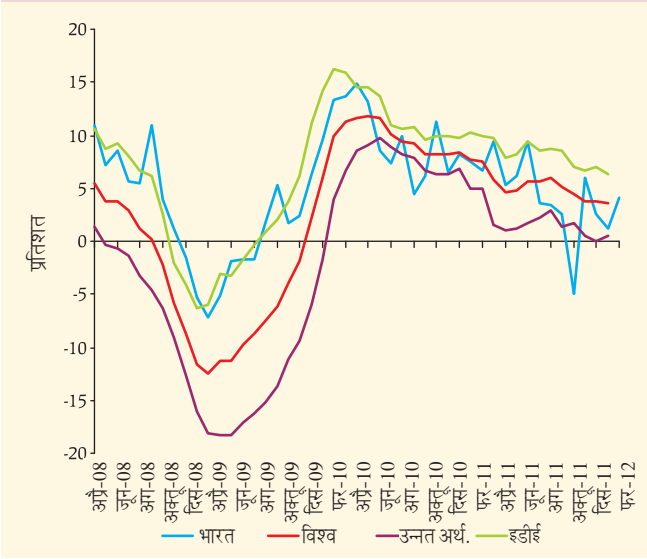
जिनका अप्रैल-फरवरी 2011-12 के दौरान समूची वृद्धि में 68.5 प्रतिशत का योगदान था (चार्ट 1.9)।

I.15 वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी गति से सुधार हुए जो 2012 तक चल रहे हैं जिनसे यूरो क्षेत्र को छोड़कर घरेलू औद्योगिक वृद्धि में सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यह घरेलू और वैश्विक आईआईपी श्रृंखलाओं के मजबूती से साथ-साथ चलने के कारण हुआ है जो अप्रैल 2008 से जनवरी 2012 की अवधि के लिये 0.8 के सहसंबंध गुणांक के रूप में दिखाई पड़ता है (चार्ट 1.10)।

चार्ट 1.9: विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि संकेन्द्रण



चार्ट 1.10 : वैश्विक आईआईपी वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)



औद्योगिक वृद्धि में कोर उद्योग बाधक रहे

1.16 आठ कोर उद्योग अप्रैल-फरवरी 2012 के दौरान 4.4 प्रतिशत की मंद गति से बढ़े जबकि पिछले वर्ष की तत्सम अवधि में यह वृद्धि 5.8 प्रतिशत थी। यह मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस में संकुचन और कोयला और उर्वरक उद्योगों के कमजोर निष्पादन के कारण हुआ (चार्ट 1.11)।

1.17 किंतु, हाल के महीनों में कोयला उत्पादन में कुछ सुधार दिखाई दिया है। हाल में सरकार द्वारा ऊर्जा संयंत्रों को पर्याप्त कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये उठाये गये कदमों से

सारणी 1.4: अवसंरचना उद्योगों में क्षमता उपयोग

| (प्रतिशत) | | | |
|---|---------|---------|----------|
| क्षेत्र | 2009-10 | 2010-11 | 2011-12* |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| तैयार इस्पात (सेल+वीएसपी+टाटा स्टील) | 90.7 | 92.0 | 87.3 |
| सीमेंट | 82.0 | 76.0 | 72.0 |
| उर्वरक | 93.6 | 94.5 | 94.4 |
| रिफाइनरी उत्पादन - पेट्रोलियम | 107.4 | 109.3 | 104.2 |
| ताप ऊर्जा | 77.7 | 75.1 | 71.6 |

* अप्रैल-नवम्बर 2011 से संबद्ध आंकड़े।

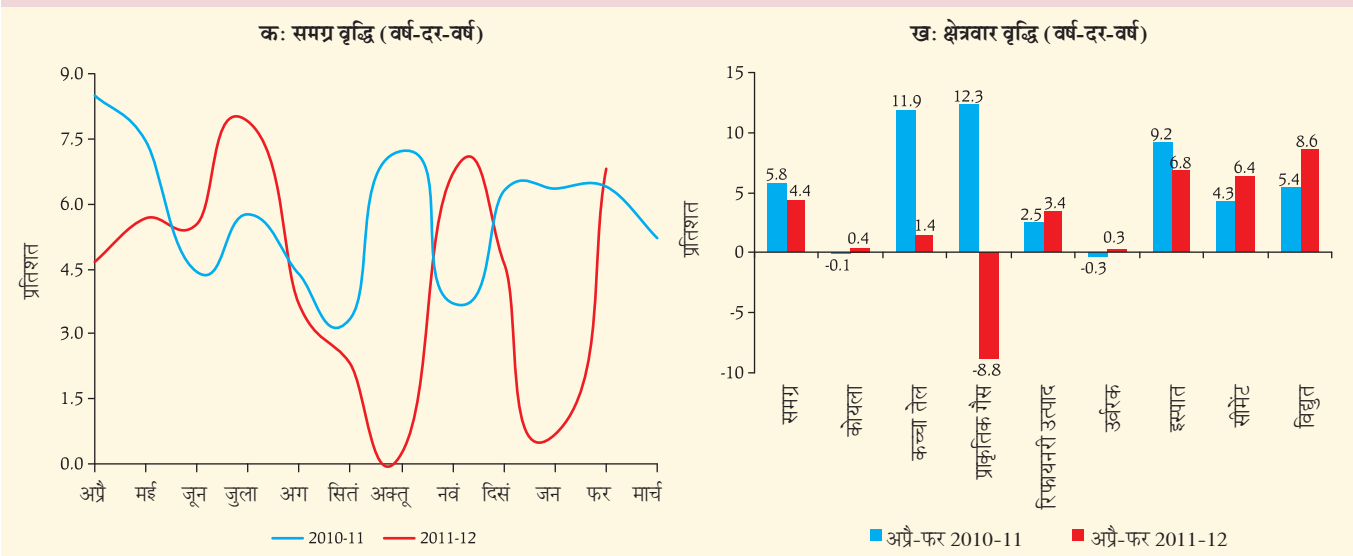
स्रोत: अवसंरचना क्षेत्र के कार्य-निष्पादन पर कैप्सूल रिपोर्ट, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

कोयला उत्पादन में सुधार आने और औद्योगिक वृद्धि के तेज होने की संभावना है।

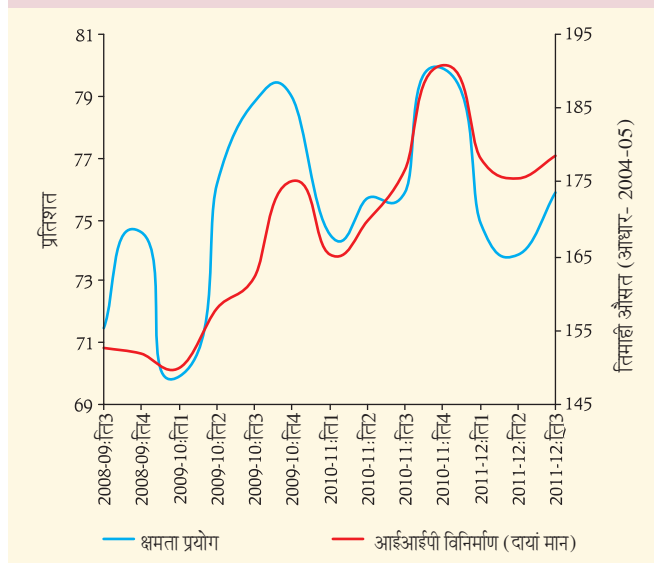
क्षमता उपयोग में ढीलापन स्पष्ट है

1.18 रिजर्व बैंक द्वारा किये गये आदेश पुस्तिकाओं, इन्वेन्टरी और क्षमता उपयोग का सर्वेक्षण (<http://www.rbi.org.in/OBICUS16>) दर्शाता है कि 2011-12 की ति3 में नये आदेशों में वृद्धि पिछले दो वर्षों की ति3 से कम रही। यद्यपि 2011-12 की ति3 में ति2 की तुलना में मंदी कम हुई, क्षमता उपयोग 2010-11 के शिखर स्तर से काफी कम रहा (चार्ट 1.12)। साथ ही, क्षमता उपयोग और विनिर्माण आईआईपी मजबूती से साथ-साथ चले।

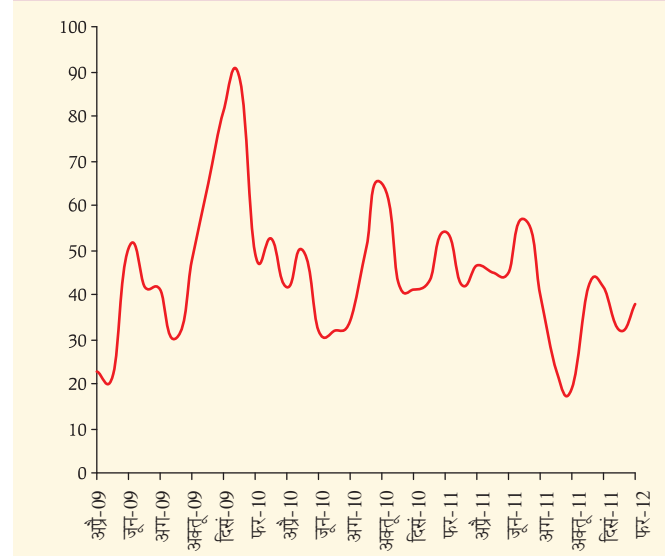
चार्ट 1.11: अवसंरचना उद्योगों में वृद्धि



चार्ट 1.12 ओबीकस



चार्ट 1.13 सेवा क्षेत्र का संयुक्त संकेतक



रोजगार सृजन में कुछ गिरावट

1.20 रोजगार की स्थिति पर श्रम ब्यूरो द्वारा अर्थव्यवस्था के चुनिंदा क्षेत्रों में करवाये गये तिमाही त्वरित सर्वेक्षण बतलाते हैं कि 2011-12 की ति3 में ति2 की अपेक्षा रोजगार निर्माण धीमा पड़ा, हालांकि 2010-11 की ति3 में यह सीमा तक ऊँचा रहा। किंतु, गैर-निर्यात इकाईयों की तुलना में निर्यात इकाईयों में रोजगार उच्चतर दर से बढ़ा, जो कि कमजोर रुपये द्वारा उत्पन्न हुए आशावाद के कारण हो सकता है। रोजगार निर्माण आईटी/बीपीओ क्षेत्र में बहुत अधिक संकेंद्रित रहा (सारणी 1.5)।

सेवा क्षेत्र में वृद्धि बनी रही लेकिन गति धीमी पड़ी

1.21 निर्माण, व्यापार और परिवहन और वित्त में वृद्धि पर आधारित, रिजर्व बैंक द्वारा सेवा क्षेत्र के लिए बनाया गया संयुक्त संकेतक अक्टूबर 2011 में न्यूनतम स्तर तक पहुँच गया और उसके बाद उसमें सुधार हुआ (चार्ट 1.13)। निर्माण में 2012-13 में और सुधार हो सकता है क्योंकि हाल की तिमाहियों में सड़क निविदाओं में आई गति जमीनी गतिविधि में परिवर्तित हो सकती है। किंतु अग्रणी संकेतकों के सीधे अध्ययन से दूर संचार और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के कमजोर होने के संकेत मिलते हैं जबकि रेल्वे माल-दुलाई और घरेलू यात्री आवाजाही बढ़ोतरी दर्शाते हैं (सारणी - 1.6)।

सारणी : 1.5 अनुमानित रोजगार में परिवर्तन

(मिलियन में)

| उद्योग/समूह | 2010-11 अप्रैल-दिसं | 2011-12 अप्रैल-दिसं | 2010-11 ति3 | 2011-12 ति2 | 2011-12 ति3 |
|------------------------|------------------------|------------------------|----------------|----------------|----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. परिधानों सहित कपड़े | 0.22 | 0.09 | 0.04 | 0.04 | 0.08 |
| 2. चमड़ा | 0.04 | -0.01 | 0.02 | 0.00 | -0.01 |
| 3. धातु | 0.07 | 0.09 | 0.00 | 0.04 | 0.00 |
| 4. आटोमोबाइल | 0.10 | 0.03 | 0.02 | 0.02 | -0.01 |
| 5. रत्न और आभूषण | 0.00 | 0.03 | -0.01 | 0.01 | 0.01 |
| 6. यातायात | -0.01 | 0.03 | 0.00 | -0.01 | 0.03 |
| 7. आईटी/बीपीओ | 0.38 | 0.48 | 0.14 | 0.20 | 0.11 |
| 8. हैंडलूम/पावरलूम | 0.01 | 0.02 | 0.00 | 0.01 | 0.01 |
| समग्र | 0.81 | 0.76 | 0.21 | 0.31 | 0.22 |

स्रोत: तेरहवां तिमाही त्वरित रोजगार सर्वेक्षण, अक्टूबर 2011- दिसंबर 2011, श्रम ब्यूरो

सारणी 1.6 : सेवा क्षेत्र गतिविधियों के संकेतक

(वृद्धि, प्रतिशत में)

| सेवा क्षेत्र के संकेतक | 2009-10 | 2010-11 | अप्रै - फर 2010-11 | अप्रै - फर 2011-12 |
|---|---------|---------|-----------------------|-----------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| पर्यटकों का आगमन | 4.4 | 8.3 | 9.1@ | 8.5@ |
| सीमेंट | 10.5 | 4.5 | 4.3 | 6.4 |
| इस्पात | 6.0 | 8.9 | 9.2 | 6.8 |
| रेल्वे राजस्व अर्जक माल दुलाई | 6.6 | 3.8 | 3.4# | 4.8# |
| सेल फोन कनेक्शन्स (मिलियन में) \$ | 192.5 | 227.3 | 167.9* | 82.3* |
| प्रमुख बंदरगाहों पर लादा-उतार गया पोतभार | 5.8 | 1.6 | 1.1# | -0.3# |
| नागरिक उड्डयन | | | | |
| घरेलू पोतभार यातायात | 24.3 | 23.7 | 27.0* | -5.4* |
| अंतरराष्ट्रीय यात्री आवाजाही | 8.8 | 10.3 | 10.9* | 7.2* |
| घरेलू यात्री आवाजाही | 15.6 | 18.1 | 16.8* | 17.7* |

@ अप्रैल-मार्च से संबद्ध आंकड़े।

* अप्रैल-दिसंबर से संबद्ध आंकड़े।

अप्रैल-जनवरी से संबद्ध आंकड़े।

\$ बेतार ग्राहक अभिवृद्धियों की वास्तविक संख्या दर्शाता है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, और सीएमआईई।

I.22 घरेलू औद्योगिक गतिविधियों की बहाली और यूएस में सुधरते अवसरों से सेवा क्षेत्र में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है।

यह क्षेत्र के लिये मांग पर पड़ने वाले किसी प्रतिकूल प्रभाव को सोखने में सहायक हो सकता है जो केन्द्रीय बजट में लगभग सर्व-आच्छादित करों के कारण पैदा होगी।

2012-13 में उत्पादन में अंतर बना रहेगा लेकिन उसमें कमी आएगी

I.23 वर्तमान निर्धारण के अनुसार, 2012-13 का वर्ष ऐसा वर्ष होगा जब अर्थव्यवस्था व्यापक नकारात्मक उत्पादन अंतर, जो वृद्धि की प्रवृत्ति से काफी नीचे गिर जाने के कारण बना था, से धीमे से उबरना शुरू होगा। 2012-13 की पहली छमाही में वृद्धि आनेवाले निवेशों में कमी के कारण नीची खिंच सकती है। किंतु, मांग के हालातों में धीमे से सुधार हो सकता है। आधार स्तर नीचा रहने के कारण 2012-13 के दौरान कृषि में वृद्धि की संभावनाएं हैं। कारकों के समिश्रण यथा बाह्य वातावरण में कुछ सुधार और आपूर्ति की ओर के अवरोधों को दूर करने के उपायों से औद्योगिक निष्पादन के सुधार में सहायता मिलेगी। यदि राजकोषीय दबावों पर काबू पा लिया जाय तो ब्याज दर चक्र घूम सकता है जिससे निवेश-मांग में गति आने में सहायता मिल सकती है। किंतु ऊँचे वैश्विक तेल मूल्यों के बने रहते और यूरो क्षेत्र तथा चीन में धीमी पड़ती वृद्धि से, अधेगामी जोखिमों से सामना हो सकता है।